अनुमान के संबंध में जयंत भट्ट और चार्वाक के बीच हुए वाद-विवाद की व्याख्या *न्यायमन्जारी* के संदर्भ में कीजिए।

8. Explain Jayanta Bhatta's critique of the Buddhist view of the relation of Invariable Concomitance based upon the Laws of Identity and Causality.

जयंत भट्ट ने बौद्ध मत की व्याप्ति के संदर्भ में *तादातम्य* और *कार्य-कारण* के नियमों की किस प्रकार आलोचना की है, व्याख्या कीजिए।

9. Write Short Notes on any **TWO** of the following :

निम्नलिखित में से **किन्हीं दो** पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :

(a) *Kalpanā* (Construction) (*Nyāyabindutīkā*)

कल्पना (*न्यायबिन्दु टीका*)

(b) *Arthakriyākāritva* (*Nyāyabindutīkā*)

अर्थक्रियाकारित्व (*न्यायबिन्दु टीका*)

(c) Characteristics of reason or sign (*hetu*) (*Nyāyamañjarī*)

हेतू या लिंग के लक्षण (*न्यायमंजरी*)

(d) *Antar-vyāpti* and *bahir-vyāpti* (*Nyāyamañjarī*)

अंतर-व्याप्ति और *बहिर-व्याप्ति* (*न्यायमंजरी*)

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 5122 **H**

Unique Paper Code : 2102102401

Name of the Paper : Textual study of Indian Philosophy

Name of the Course : **B.A. (Hons.) Philosophy**

Semester : IV

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 90

Instructions for Candidates

RAMANUJAN COLLEGE LIBRARY Kalkaji, New Delhi 2019

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Attempt **FIVE** questions in all, selecting at least **TWO** questions from each text (*Nyāyabindutīkā* and *Nyāvamañjarī*).
3. **All** questions carry equal marks.
4. Answers may be written either in English or Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।
2. सभी में से **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दें । प्रत्येक ग्रंथ (*न्यायबिन्दु टीका* और *न्यायमंजरी*) में से कम से कम **दो** प्रश्न चुनें ।
3. **सभी** प्रश्नों के अंक समान हैं ।
4. इस प्रश्न-पत्र का उत्तर अंग्रेजी या हिंदी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

1. Explain the introductory verse of *Nyāyabindutīkā*: *"All successful human action is preceded by right knowledge"*.

   "सभी पुरूषार्थों की सिद्धि यथार्थ ज्ञान के माध्यम से होती है" न्यायबिन्दु टीका के आधार पर व्याख्या कीजिए ।

2. Explain *"Pratyakṣamkalpanāpodham"*. Why did Dharmaklrti add "*Abhrāntam*" to the above definition of Dignaga?

   "*प्रत्यक्षमकल्पनापोढम* की व्याख्या कीजिए। धर्मकीर्ति ने "*अभ्रांतम*" पद को दिङ्नाग के आधार पर क्यों समाहित किया? व्याख्या कीजिए।

3. Describe different varieties of Direct Knowledge in view of *Nyāyabindutīkā*.

न्यायबिन्दु टीका के परिप्रेक्ष्य में प्रत्यक्ष ज्ञान के विभिन्न प्रकारों का वर्णन कीजिए।

4. What is the nature of object of perception in Dharmakīrti's philosophy? Explain in the context of *Nyāyabindutīkā*.

   धर्मकीर्ति के दर्शन में प्रत्यक्ष के वस्तु का स्वरूप क्या है? *न्यायबिन्दु टीका* के संदर्भ में स्पष्ट कीजिए।

5. Explain the definition of Inference *"Tat Pūrvakam Anumānam"* contained in the *Sūtra* in reference to *Nyāyamañjarī?*

   न्यायमंजरी में अनुमान के सन्दर्भ में सूत्र में निहित "*तत् पूर्वकं अनुमानम्*" की परिभाषा स्पष्ट कीजिए।

6. Give a critical account of the different Varieties (kinds) of Inference as discussed in the *Nyāyamañjarī?*

   न्यायमंजरी के अनुसार *अनुमान* की विभिन्न प्रकारों का एक आलोचनात्मक विवरण दें।

7. What is the debate between Jayanta Bhatta and Cārvāka regarding inference discussed in *Nyāyamañjarī?*